'पौधों को बचाने में आगे आएं लोग'

जागरण संवाददाता,भागलपुर: प्लांट टेक्सोनॉमी पर टीएनबी कॉलेज के बॉटनी विभाग में सात दिनों से चल रहे राष्ट्रीय वर्कशॉप का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन के अवसर पर बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों एवं बाहरी प्रतिभागियों ने भागलपुर के बॉटनी ज्ञान की जमकर प्रशंसा की। बॉटनी विभाग के युवा वैज्ञानिक प्रो. एचके चौरसिया की काबिलियत की कुलपति से लेकर सभी विद्वानों ने जी भर के तारीफ की। प्रो. चौरसिया की पहल पर ही इस वर्कशॉप का आयोजन 30 साल बाद भागलपुर में हो पाया।

भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय एवं बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया की मदद से इस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। समापन समारोह में बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता से आए सभी वैज्ञानिकों को प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर टीएमबीयू के कुलपति प्रो. रमाशंकर दुबे ने कहा कि आज के समय पौधों का संरक्षण कर उसकी पहचान करना एक चुनौती बन गया है। पौधों की पहचान के ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत पर जोर दिया गया। प्लांट टेक्सोनॉमी की पढ़ाई के प्रति घट रहे रुझानों पर चिंता जताई गई। प्रतिकुलपति प्रो. एकेराय से ज्ञान मंत्र प्राप्त करने वाले प्रो. चौरसिया ने इस आयोजन के जरिए बॉटनी में नॉलेज की एक बड़ी लकीर खींच दी है। पीजी बॉटनी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एस के वर्मा, प्रो. अवध किशोर को बॉटनी विभाग में बेहतरीन सेवा देने के लिए सम्मानित किया गया। आयोजन सचिव प्रो. एच के चौरसिया को भी प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन राजनीतिविज्ञान के शिक्षक प्रो. मनोज कुमार ने किया। शायरी एवं कविताओं ने समारोह को सरस बना दिया।

बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. पी. लक्ष्मीनरसिम्हन, डॉ. गोपाल, डॉ. एस जेड खानम, डॉ. आनंद कुमार को भी प्रतीक चिंह देकर सम्मानित किया गया। उड़ीसा के प्रतिभागी डॉ. किशोर, टीएनबी की छात्रा अभिलाषा, रोहतक विवि से आए डॉ. माखन सिंह ने अपने भाषण में आयोजन की प्रशंसा की। प्रतिकुलपति प्रो. एकेराय ने पौधों की प्रासंगिकता पर अपने विचारों को रखा। प्रतिभागियों ने कहा कि औषधीय पौधों के विलुप्त होने के कारण बीमारियां बढ़ रही है।

टी.एन.बी कॉलेज के बाटनी विभाग मे सेमिनार को संबोधित करते प्राचार्य, मंच पर बैठे कुलपति व अन्य। जागरण

मुख्य बातें

- पौधों में छिपा है स्वस्थ जीवन का राज
- बॉटनी विभाग के आठ दिवसीय वर्कशॉप का समापन
- भागलपुर के बॉटनी ज्ञान को जान प्रभावित हुए बाहरी प्रतिभागी